विशेष बातचीत. आइआइएम रांची में विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार चुन सकेंगे इलेक्टिव और सर्टिफिकेट कोर्स

राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा आइआइएम : निदेशक

अभिषेक रॉय @ रांची

आइआइएम रांची के 12वें बैच के विद्यार्थी पहली बार नयासराय रोड पुंदाग स्थित स्थायी कैंपस में अपनी शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत करेंगे. सत्र 2023-25 की क्लास 26 जून से शुरू होगी. पहले तीन दिनों तक इंडक्शन प्रोग्राम होगा. इसके बाद एकेडमिक गतिविधियां संचालित होंगी. यह जानकारी आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने प्रभात खबर के साथ विशेष बातचीत में दी. उन्होंने कहा कि संस्थान स्ट्रैटेजिक प्लान पर काम कर राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा. प्रो दीपक ने बताया कि नये सत्र में एमबीए के 240, ह्यूमन रिसोर्स (एचआर), बिजनेस एनालिटिक्स (बीए), इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आइपीएम : बीबीए व एमबीए) व एक्जीक्यूटिव एमबीए में 60-60 विद्यार्थी और पीएचडी में सीमित अभ्यर्थियों को प्रवेश मिलेगा. नये सत्र की नामांकन प्रक्रिया अंतिम चरण में है. इसमें एकेडमिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जायेगा. उन्होंने बताया कि सत्र 2023-25 की कोर्स फीस में कोई बदलाव नहीं किया गया है.

एजुकेशन इनोवेशन के तहत जुड़े नये कोर्स, एग्जीक्यूटिव एमबीए को न्यू ग्रोथ लीडर के तहत बढ़ावा दिया जायेगा

प्रो दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था के विकास के लिए अगले सात वर्षों की रणनीति बनी है. नाम दिया गया है : आइआइएम रांची @ 2030 स्ट्रैटेजिक प्लान. इसकी चार प्राथमिकताएं हैं. पहली प्राथमिकता एजुकेशन इनोवेशन यानी नये कोर्स को प्रभावी बनाना है. इसके लिए लिबरल आर्ट्स एंड साइंस विभाग शुरू किया गया है. इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को सिनेमेटोग्राफी, म्यूजिक, फिलॉसफी के तहत सॉकरेटिक्स डायलॉग, वाटर मैनेजमेंट, सस्टेनेबिलिटी, क्रिटिकल थिंकिंग जैसे इलेक्टिव कोर्स संचालित होंगे. साथ ही एग्जीक्यूटिव एमबीए को न्यू ग्रोथ लीडर के तहत बढ़ावा दिया जायेगा. इसके अंतर्गत नौ से 10 सर्टिफिकेट कोर्स अगले एक-दो महीने में और अगले एक वर्ष में 20 से 25 कोर्स जोड़े जायेंगे. इन ऑनलाइन कोर्स को किसी भी कार्यक्षेत्र से जुड़े पेशेवर व्यक्ति कर सकेंगे.

प्रभावशाली अनुसंधान को दी जायेगी प्राथमिकता

नये सत्र से संस्थान सामाजिक सरोकार आधारित प्रभावशाली अनुसंधान को बढ़ावा देगा. रिसर्च वर्क झारखंड सरकार और राज्य के हित में होंगे. वर्तमान में राज्य की आधारभूत संरचना पर शोध चल रहा है. इसके अलावा आदिवासी अर्थव्यवस्था और आदिवासी उद्यमिता पर विशेष रूप से काम किया जायेगा. इंडियन बिजनेस सिस्टम पर शोध होगा. 2030 स्ट्रैटेजिक प्लान के तहत अंतरराष्ट्रीय साझेदारी व सहयोग पर काम हो रहा है. देश-विदेश के बी-स्कूल से जुड़े प्राध्यापक अब आइआइएम रांची के बच्चों को पढ़ायेंगे. इसके लिए 08-10 प्राध्यापक से सहमति ले ली गयी है. सभी आइआइएम रांची से तीन से छह माह तक जुड़कर बच्चों को पढ़ायेंगे. इसका मुख्य उद्देश्य संस्था के ज्यादा से ज्यादा बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश में पढ़ने भेजना है. दिसंबर में आइआइएम रांची की ओर से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा.

प्रबंधकीय शिक्षा को बढ़ावा दिया जायेगा

आइआइएम रांची प्रबंधन शिक्षा को सामाजिक और जिम्मेदारीपूर्ण प्रबंधकीय शिक्षा के रूप में विकसित करने में जुटा है. ह्यूमन कनेक्ट, कम्युनिटी सर्किल, ड्रम सर्किल, ह्यूमन लाइब्रेरी जैसे आयोजन किये जा रहे हैं : भविष्य में ह्यूमन कनेक्ट को एक कोर्स के रूप में विकसित किया जायेगा. वहीं, आइपीएम के विद्यार्थियों के बीच यंग चेंजमेकर प्रोग्राम शुरू किया गया है, जो 26 से 28 मई तक संचालित होगा. इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण परिवेश का अध्ययन कर समस्याओं का प्रबंधकीय निवारण देना है. नये सत्र से मेरिट-कम-मिन्स स्कॉलरशिप के तहत एक करोड़ रुपये संस्थागत छात्रवृत्ति के रूप में विद्यार्थियों को दी जायेगी. इसका लाभ मेधावी, आर्थिक रूप से कमजोर और एससी-एसटी विद्यार्थी लाभ उठा सकेंगे.

स्टार्टअप के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित होगा

आइआइएम रांची में स्टार्टअप इंडिया को बढ़ावा देने के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किया जा रहा है. यह विभिन्न स्टार्टअप के लिए एक इको सिस्टम के रूप में काम करेगा, जिसका उद्देश्य युवा मानसिक दृष्टि को वैश्विक उन्मुख बनाना है. यह वैसे विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होगा, जो प्रबंधन शिक्षा के बाद नौकरी के बजाय स्टार्टअप व उद्यमी बनना चाहते हैं. संस्था छात्रों के रचनात्मक दृष्टिकोण को धरातल पर उतारने में मदद करेगी. स्टार्टअप के जरिये लोकल मॉडल तैयार किया जायेगा, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी.

Prabhat Khabar_26.05.2023_Pg. 08